माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय **वर्ष 2022**

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
Hindi	0	5	1	English

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 –

488043

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	1	7	3	0	5	6	9

शब्दों में

दो	दो	एक	सात	तीन	शून्य	पाँच	छः	नौ

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 30

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा केन्द्र क्रमांक-172003

हायर सेकण्डरी परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
श्रीमती मनकरना ढोके Dhoke	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
श्रीमती प्रीति पुरोहित	RAMCHANDRA PATIDAR UCCH MADHYAMIK SHIKSHAK

नोट :- ''हायर सेकेन्डरी परीक्षा से केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।''

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्ताक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में | कुल प्राप्तांक अंकों में

Oddy

विशेष नोट :- सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (1) का उत्तर

(i) (ब) जग-जीवन का

(ii) (स) तुलसीदास की

(iii) (अ) जब मन खाली हो

(iv) (द) चाँद सिंह को

(v) (अ) आनन्द यादव

(vi) (द) उपरोक्त सभी

प्रश्न क्रमांक (2) का उत्तर

(i) प्रत्याशा

(ii) लक्ष्मिन

(iii) मराठी

(iv) अधिक

(v) उत्साह

(vi) मात्रिक

(vii) आकाश

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (3) का उत्तर

सही जोड़ी | उत्तर

(i) बात की चूड़ी मर जाना - (द) बात का प्रभावहीन हो जाना

(ii) अवधूत - (फ) शिरीष का फूल

(iii) सिल्वर वैडिंग - (इ) यशोधर बाबू

(iv) कहानी का केन्द्रिय भाव - (अ) कथानक

(v) चौपाई छन्द - (ब) 16-16 मात्राएँ

(vi) तत्सम - (स) संस्कृत के मूल शब्द

प्रश्न क्रमांक (4) का उत्तर

(i) उषा का जादू सूर्योदय होने के बाद टूटता है।

(ii) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

(iii) सिन्धु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअन-जोदड़ो था।

(iv) आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15 से 40 मिनट होती है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

(v) शब्द गुण ~~क्र~~ तीन प्रकार के होते हैं।
ओज, माधुर्य और प्रसाद।

(vi) 'इसरा घर कर लेना' मुहावरे का अर्थ
- स्थान परिवर्तन करना

(vii) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द
"क्रिया विशेषण" कहलाते हैं।

प्रश्न क्रमांक (5) का उत्तर

सत्य / असत्य

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) असत्य

(vi) असत्य

MPBSE

प्रश्न क्र.

MPBSE

प्रश्न क्रमांक (6) का उत्तर

बच्चे अपने माता-पिता की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे। उनके माता-पिता उन्हें भोजन लाने सुबह जल्दी घोंसले से निकले होंगे। ऐसे में भूख से व्याकुल एवं माता-पिता के वात्सल्य से वंचित बच्चे अपने अभिभावकों के जल्दीसेजल्दी लौटने की प्रतीक्षा कर रहे होंगे। कहने का अर्थ है कि बच्चे अपने माता-पिता के सान्निध्य की प्रत्याशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे।

प्रश्न क्रमांक (7) (अथवा) का उत्तर

उमाशंकर जोशी कृत संकलित कविता 'छोटा मेरा खेत' में 'अंधड़' भावनात्मक आवेग की आँधी तथा बीज विचार एवं अभिव्यक्ति का प्रतीक है। कवि कहना चाहता है कि ~~मन~~ भावनात्मक आवेग से कवि के मन में ~~कवि~~ के ~~मन~~ मे एक विचार उदित होता है। इसमें कल्पना की उड़ान के सहारे कवि एक काव्य रचना का सृजन करता है।

प्रश्न क्रमांक (8) का उत्तर

भक्तिन स्वयं को न बदलकर दूसरों को अपने अनुसार बदल देती थी। मकई को रात को बना दलिया सबेरे मट्ठे से खाना, बाजरे के तिल लगाकर बनाये गए पुए, ज्वार के भुने हुए भुट्टे के हरे दाने की खिचड़ी, सफेद महुए की लपसी आदि लेखिका को अनचाहे खाना पड़ता था।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 6 क अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

भक्तिन ने लेखिका को अपनी पसंद का भोजन खिलाकर देहाती बना दिया। इस प्रकार भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गई।

प्रश्न क्रमांक (9) (अथवा) का उत्तर

लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत कहा है। अवधूत वह सन्यासी होता है जो संसार में सुख-दुख, मोह-माया आदि से मुक्त होता है। वह हर परिस्थिति में अपने कार्य में लगा रहता है। उसी प्रकार शिरीष भी धूप-छाँव, सर्दी-गर्मी, उमस आदि विभिन्न परिस्थितियों। कालजयी अवधूत की भाँति वृद्धि करता रहता है तथा सबको आनन्द व छाया प्रदान करता है।

प्रश्न क्रमांक (10)(अथवा) का उत्तर

यशोधर बाबू की पत्नी पुरानी रीति-रिवाजों में विश्वास नहीं करती है। उसे ऊँचे एड़ी की सैंडल, बिना बाँह की ब्लाउज आदि पहनना अच्छा लगता है। वह अपना ज्यादा से ज्यादा समय अपने बच्चों के साथ बिताती है तथा उनका ही पक्ष लेती है। जबकि यशोधर बाबू पुरानी परंपराओं और संयुक्त परिवार के समर्थक हैं। उन्हें अपनी पत्नी तथा बच्चों का व्यवहार ठीक नहीं लगता है। यही कारण है कि

MPBSE

उनकी पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं।

प्रश्न क्रमांक (11) का उत्तर

मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातें निम्नलिखित हैं-

(1) लेखन की भाषा पाठकों के बोल-चाल की भाषा होनी चाहिए ताकि पाठक आसानी उसे पढ़ सके।

(2) लेखक को विषयानुरूप शैली का प्रयोग करना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक (12) (अथवा) का उत्तर

विरोधाभास अलंकार -
जहाँ पदार्थ, गुण, क्रिया आदि में विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

उदाहरण-

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ।

MPBSE

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

(2) नीर भरी अँखियाँ रहै तऊ न प्यास बुझाय।

प्रश्न क्रमांक (13) का उत्तर
(अथवा)

अभिधा शब्द शक्ति-
जिस शब्द शक्ति से शब्द के मुख्य अर्थ या प्रचलित अर्थ का बोध होता है उसे अभिधा शब्द शक्ति कहते हैं।

उदाहरण -
(1) अयोध्या के राजा दशरथ थे।
(2) मेरे पिताजी बीमार हैं।

प्रश्न क्रमांक (14) का उत्तर

मुहावरे	लोकोक्ति
(1) ये वाक्यांश होते हैं।	(1) ये सम्पूर्ण वाक्य होते हैं।
(2) ये वाक्य में आदि, मध्य और या अन्त में प्रयुक्त होते हैं।	(2) ये वाक्य के अन्त में प्रयुक्त होते हैं।
(3) मुहावरे में वाक्य के अनसार परिवर्तन होता है।	(3) लोकोक्ति में कोई परिवर्तन नहीं होता है।
(4) ये भाषा का सौंदर्य है।	(4) ये साहित्य का गौरव है।

M
B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (15) का उत्तर

(i) ईश्वर के अनेक नाम हैं।

(ii) मुझे मात्र बीस रुपये दीजिए।

प्रश्न क्रमांक (16) का उत्तर
(अथवा)

रघुवीर सहाय

(i) रचनाएँ - (1) सीढ़ियों पर धूप में
(2) आत्महत्या के विरुद्ध
(3) लोग भूल गये हैं

(ii) भाव पक्ष

(1) समकालीन समाज का चित्रण
- रघुवीर सहाय ने अपनी रचनाओं में उनके समय के समाज का यथार्थ चित्रण किया है।

(2) राजनीतिक एवं सांस्कृतिक चेतना -
रघुवीर सहाय ने सत्ता की राजनीति के ऊपर प्रहार किये हैं तथा रचनाओं के माध्यम से संस्कृति का प्रचार किया है।

(3) मध्यवर्गीय जीवन का चित्रण -
रघुवीर सहाय ने अपने समय के मध्य वर्गीय लोगों की विडम्बनाओं और उनकी परिस्थितियों का सशक्त चित्रण किया है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

MPBSE

कला - पक्ष

(1) भाषा -
रघुवीर सहाय जी की भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है जिसमें संस्कृत के तत्सम, तद्भव व अन्य भाषाओं का भी प्रयोग किया है।

(2) शैली -
उनकी प्रमुख शैली मुक्तक शैली है।

(3) अलंकार योजना -
रघुवीर सहाय ने अनेक अलंकारों जैसे रूपक, अनुप्रास, पदमैत्री, उपमा आदि का प्रयोग कर अपने काव्य को सुन्दरता प्रदान की है।

(iii) साहित्य में स्थान -
रघुवीर सहाय हिन्दी काव्य के एक श्रेष्ठ कवि हैं जिनकी रचनायें मानव के लिए प्रेरणा का स्रोत है। रघुवीर सहाय हिन्दी काव्य को नील वर्ण आकाश में एक ध्रुव तारे के समान सदैव चमकते रहेंगे। रघुवीर सहाय का काव्य उनके प्रेमियों के लिए हमेशा अमर रहेगा।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (17) (अथवा) का उत्तर

हजारी प्रसाद द्विवेदी

(i) रचनाएँ - (1) अशोक के फूल
(2) बाणभट्ट की आत्मकथा
(3) चारु चन्द्रलेख
(4) कल्पलता

(ii) भाषा -

शिक्षित परिवार से होने के कारण द्विवेदी जी की भाषा परिमार्जित व परिष्कृत है। इसी कारण इनकी भाषा को 'प्रसन्न भाषा' भी कहते हैं। इनकी भाषा में तत्सम, तद्भव शब्दों के साथ सूक्तियों, मुहावरों एवं लोकोक्तियों का सटीक प्रयोग है।

शैली

(1) गवेषणात्मक शैली -
शोध और पुरतत्व से संबंधित निबंधों की रचना में इस शैली का प्रयोग किया गया है। ये द्विवेदी जी के प्रतिनिधि शैली है।

(2) व्यंग्यात्मक शैली -
द्विवेदी जी मीठी चुटकी लेने में अत्यधिक कुशल कवि हैं। ये बात को सीधे न कहकर व्यंग्य के माध्यम से कहते हैं।

M P B S E

प्रश्न क्र.

साहित्य में स्थान -
हजारी प्रसाद द्विवेदी हिन्दी गद्य साहित्य के श्रेष्ठ ~~कवियों~~ लेखकों में से एक हैं। इनकी उपलब्धियों के लिए इन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया जा चुका है। इनकी प्रखर रचनाओं ने हिन्दी साहित्य को एक नई दिशा प्रदान की है। साहित्य प्रेमियों के मध्य हजारी प्रसाद द्विवेदी सदैव स्मरणीय रहेंगे। इनका विस्मरणीय योगदान हिन्दी साहित्य के लिए वरदान है।

प्रश्न क्रमांक (18) का उत्तर

तत्सम	तद्भव
(1) संस्कृत से ज्यों के त्यों लिए गये शब्द, तत्सम शब्द कहलाते है।	(1) संस्कृत से परिवर्तित होकर हिन्दी में प्रचलित शब्द, तद्भव शब्द कहलाते हैं।
(2) तत्सम का ~~शब्द~~ शाब्दिक अर्थ है - उसके समान अर्थात अपने स्रोत संस्कृत के समान।	(2) तद्भव का शाब्दिक अर्थ है - उससे उत्पन्न अर्थात् अपने स्रोत संस्कृत से उत्पन्न।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र.

तत्सम	तद्भव
(1) मस्तक	माथा
(2) अग्र	आगे
(3) कदली	केला

प्रश्न क्रमांक (19) का उत्तर

उत्तर (i) शीर्षक - "शौर्य भाव"

(ii) राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।

(iii) सुदीर्घ का अर्थ लम्बा ~~या विशाल~~ है।

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (20) (अथवा) का उत्तर

कविता - - - - - - जाने ?

संदर्भ -
प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक "आरोह भाग - 2" में संकलित कविता "कविता के बहाने" से अवतरित है। इसके रचयिता कुँवर नारायण जी हैं।

प्रसंग -
प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने 'कविता की उड़ान' की तुलना 'चिड़िया की उड़ान' से की है।

व्याख्या -
कवि कहते हैं कि कविता भी चिड़िया की तरह ऊँची उड़ान भरती है। कविता भी पंख लगाकर एक घर से दूसरे घर तक उड़ सकती है। वह चिड़िया की तरह अन्दर-बाहर आ जा सकती है। किन्तु चिड़िया की उड़ान सीमित होती है। उसे उड़ान भरने के बाद जमीन पर आना ही पड़ता है। जबकि कविता की उड़ान असीमित व अनन्त होती है। वह युगों-युगों तक अपने रस से लोगों को आनन्द प्रदान करती है। इस प्रकार कवि ने

M P B S E

प्रश्न क्र.

कविता की उड़ान को चिड़िया की उड़ान से श्रेष्ठ बताया है।

काव्य सौन्दर्य -

(1) कविता की उड़ान को अनन्त व चिड़िया की उड़ान को सीमित बताया गया है।

(2) भाषा सरल, सहज एवं सरस है।

प्रश्न क्रमांक (21) का उत्तर (अथवा)

रात्रि - - - - - - - भरती थी।

संदर्भ -
प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक "आरोह भाग - 2" में संकलित पाठ "पहलवान की ढोलक" से अवतरित है। इसके रचयिता लेखक "फणीश्वरनाथ रेणु" जी हैं।

प्रसंग -
प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने पहलवान की ढोलक से लोगों पर होने वाले प्रभाव को बताया है।

व्याख्या -
रात्रि की भयावहता को चुनौती देने वाली सिर्फ एक पहलवान की ढोलक थी। केवल वह ढोलक ही रात्रि की ललकार को चुनौती

प्रश्न क्र.

देती थी। पहलवान सुबह से शाम तक ढोलक बजाता था। उन अर्द्धमृत, औषधि विहीन एवं पथ से भटके हुए लोगों में ढोलक की आवाज संजीवनी शक्ति भरती थी। इस प्रकार पहलवान की ढोलक का गहरा प्रभाव उन पीड़ित लोगों पर पड़ता था और उन्हें मरने में ज्यादा तकलीफ नहीं होती थी।

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (22) का उत्तर

सेवा में,

निगमायुक्त महोदय
जबलपुर नगर निगम
जबलपुर (म.प्र.)

विषय – नियमित जल आपूर्ति करवाने हेतु आवेदन।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं जबलपुर के प्रतापनगर क्षेत्र का निवासी हूँ। इस क्षेत्र में लोगों को जल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यहाँ जल यदा-कदा ही आता है जो लोगों की जरूरत को पूरा नहीं कर पा रहा है। नहाने-धोने की तो छोड़िये पीने के जल के भी लाले पड़े हैं। जब कभी पानी आता भी है तो वह पीने योग्य नहीं होता है। इसके कारण बच्चों में बीमारियाँ बढ़ रही हैं। बच्चे प्यास से तड़प रहे हैं।
अतः आपसे अनुरोध है कि आप इस क्षेत्र में जल की नियमित आपूर्ति करवाने का जल्द से जल्द उचित प्रबन्ध करें।
सधन्यवाद

दिनाँक - 19/02/2022

प्रार्थी
अ ब स

M P B S E

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (23) का उत्तर

(ii) छात्र जीवन और खेल

छात्रजीवन में खेलों का विशेष महत्त्व होता है। खेल एक विद्यार्थी को ऊर्जा प्रदान करते हैं। विद्यार्थी जब दिन भर के कार्यों से थक जाता है तो विभिन्न खेलों को खेलता है जो उसे आनंद का अनुभव कराते हैं। खेल विद्यार्थी के जीवन में अनेक जीवन उपयोगी गुणों का संचार करते हैं। खेलों से ही वह अनुशासन के महत्त्व को समझ पाते हैं। खेल उसे शिक्षा देते हैं कि जीवन में हार या जीत का कोई महत्त्व नहीं होता। खेल विद्यार्थी को मजबूत बनाते हैं। विद्यार्थी के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी हैं। आज विद्यार्थी अनेक खेलों से परिचित हैं जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन आदि।

आज के आधुनिक युग में विद्यार्थी खेलों में रुचि दिखाता है और अपना भविष्य खेलों में ही खोज लेता है। इन विद्यार्थियों में से ही कई आगे चलकर बड़े खिलाड़ी बनते हैं और अपने देश का नाम रोशन करते हैं।

प्रश्न क्र.

छात्रों को आवश्यक है कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को अपने जीवन में महत्त्व दें।

M P B S E